वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 260 | बुधवार 17 जनवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर में पहली बार हुआ ड्रोन शो

300 से ज्यादा ड्रोन से अलग-अलग आकृतियां बनाई गईं, दो दिन चलेगी साइबर हैकाथॉन

जयपुर. कासं

साइबर सुरक्षा पर जयपुर में दो दिन की साइबर हैकाथॉन 1.0 का आयोजन होने जा रहा है। इस कड़ी में जयपुर में पहली बार ड्रोन शो का आयोजन किया गया। जो राजस्थान पुलिस अकादमी में किया गया। इस दौरान 300 से ज्यादा ड्रोन से आसमान में अलग-अलग आकृतियां बनाई गईं। इसमें भारत का नक्शा बनाकर उसमें राजस्थान को दिखाया गया। इस कार्यक्रम को देखने के लिए पुलिस मुख्यालय और जयपुर कमिश्नरेट के अधिकारी भी पहुंचे। डीजी साइबर रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया- साइबर सुरक्षा क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक ले जाने, युवा और प्रतिभाशाली साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों को एक मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 17-18 जनवरी को राजस्थान पुलिस साइबर हैकाथॉन 1.0 आयोजित कर रही है।

300 टीमें ले रही भाग

राजस्थान अंतरराष्ट्रीय केंद्र में 17 और 18 जनवरी को

आयोजित साइबर हैकाथॉन में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, उद्योगों, रिसर्च लैबों और स्टार्टअप्स के 1665 प्रतिभागियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया है। इसमें करीब 300 टीमें भाग लेगी। यह टीमें 12 साइबर सुरक्षा से संबंधित समस्याओं का समाधान निकालने के लिए 36 घंटे तक काम करेंगी।

12 चुनौतियों पर होगा मंथन

साइबर हैकाथॉन के दौरान साइबर सुरक्षा एक्सपर्ट भविष्य की 12 चुनौतियों पर चर्चा कर हल निकालने का प्रयास करेंगे। इन चुनौतियों में पुलिस का फीडबैक सिस्टम विकसित करना, उन्हें एआई/एआर का प्रशिक्षण, कैमरे में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग कर खुद फैसले लेने में सक्षम बनना, एफआईआर का एआई व मशीन प्रोग्रामिंग से एकदम सही अधिनियम एवं धाराएं लगाना, फर्जी वेबसाइटस, आने वाले ऐड एवं कस्टमर केयर के नंबरों की पहचान करना, निजी स्वामित्व वाले कैमरों की जियो टैगिंग करने की प्रणाली विकसित करना, फाइनेनशियल फ्रॉड के डाटा का विश्लेषण करने के लिए सॉफ्टवेयर बनाना, डीप फेक तकनीक का सहारा लेकर अपराध करने वालों को ढूंढना, 1930 हेल्पलाइन को और अधिक विकसित करना, एंटी ड्रोन सिस्टम विकसित करना, डार्क वेब पर डाटा की मॉनिटरिंग एवं क्रिप्टाकरेंसी के पैसे की जांच करना रखा गया है।

जीतने वाले टीमों को मिलेंगे 20 लाख रुपए इनाम

हैकाथॉन के अंतिम चरण में तीन सर्वश्रेष्ठ टीम को समाधान प्रस्तुत करने का मौका दिया जाएगा। हर एक टीम को इवेंट के अनुसार इनाम दिया जाएगा। इन टीमों के समाधानों का मूल्यांकन विशेषज्ञ समिति द्वारा किया जाएगा। हैकाथॉन के विजेताओं को विभिन्न श्रेणियों में कुल 20 लाख के नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। साथ ही सभी टीमों को राजस्थान पुलिस के साथ इंटर्नशिप प्रोग्राम में भी शामिल किया जाएगा।

गोविंदसिंह डोटासरा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष बने रहेंगे

विधायक दल की बैठक के 41 दिन बाद जूली बने नेता प्रतिपक्ष

जयपुर. कासं

अलवर ग्रामीण से तीसरी बार विधायक टीकाराम जूली विधानसभा में कांग्रेस की तरफ से नेता प्रतिपक्ष होंगे। इसके साथ ही 1952 में पहले चुनाव के 71 साल बाद विधानसभा को पहला दलित नेता प्रतिपक्ष मिलेगा। कांग्रेस ने मंगलवार को जूली के साथ गोविंदसिंह डोटासरा के प्रदेशाध्यक्ष बने रहने की घोषणा की। सोमवार सुबह से नेता प्रतिपक्ष के रूप में जूली का नाम चर्चा में था। हालांकि जूली के नाम पर मुहर लगने में 41 दिन लग गए, क्योंकि कांग्रेस ने विधायक दल की बैठक 5 दिसंबर को ही हो गई थी। इधर, विधानसभा के पहले सत्र की बैठकें 19 जनवरी से फिर शुरू हो रही हैं। नेता प्रतिपक्ष घोषित होते ही विधानसभा की बिजनेस एडवाइजर कमेटी की बैठक के सदस्यों की घोषणा भी हो गई। जूली को भंवर जितेंद्र सिंह का नजदीकी माना जाता है।

फोकस लोकसभा चुनाव पर... पूर्वी राजस्थान के साथ जाट-दलित साधे

माना जा रहा है कि नेता प्रतिपक्ष व प्रदेशाध्यक्ष का निर्णय कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव को ध्यान में रख किया है। चूंकि

प्रदेश में भाजपा से मुख्यमंत्री पूर्वी राजस्थान से हैं। ऐसे में नेता प्रतिपक्ष से इस क्षेत्र को साधा गया। इसके साथ ही जातिगत दलित और जाट का गणित भी बिठाया गया है।

तीन कारण... जूली के पक्ष में गए

विधानसभा में प्रश्नकाल सबसे महत्वपूर्ण है। कांग्रेस सरकार में जूली ने मंत्री रहते प्रश्नों के पूरी तैयारी से उत्तर दिए थे। पूरक प्रश्नों पर तुरंत उत्तर व बेबाक शैली भी उनके पक्ष में गई। विधानसभा चुनाव में पूर्वी राजस्थान कांग्रेस के लिए कमजोर कड़ी रहा। ऐसे में वहीं से एक बड़ा पद देना कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा है। लोकसभा चुनाव में जितेंद्र सिंह के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। रविवार और सोमवार को दिल्ली में राजस्थान से जुड़े नेताओं के बीच औपचारिक मुलाकातों में जूली का नाम आगे किया गया।

नेता प्रतिपक्ष होने का मतलब...

नेता प्रतिपक्ष को कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया जाता है। गाड़ी और मंत्री के बंगले की सुविधा के साथ विधानसभा में भी मंत्री के रूप में ही प्रोटोकॉल रहता है। विधानसभा परिसर में नेता प्रतिपक्ष के कक्ष के साथ ही मंत्री की तरह संपूर्ण स्टाफ की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है। सदन में प्रश्नकाल व अन्य कार्यवाही के दौरान नेता प्रतिपक्ष को किसी भी समय बोलने का विशेषाधिकार रहता है।

इधर, भाजपा में नए संगठन महामंत्री के एलान का इंतजार

चंद्रशेखर को तेलंगाना प्रदेश संगठन महामंत्री बनाए जाने के बाद राजस्थान भाजपा को नए प्रदेश संगठन महामंत्री का इंतजार है। माना जा रहा है कि पड़ोसी राज्य से किसी चेहरे को जिम्मेदारी दी जा सकती है। चर्चा मध्यप्रदेश, बिहार तक के चेहरे की है। मालूम हो, संगठन महामंत्री को छोड़कर प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी की टीम में 5 प्रदेश संगठन महामंत्री बनाए गए थे। इनमें भजनलाल सीएम, दीयाकुमारी डिप्टी सीएम हैं। जगबीर छापा, दामोदर अग्रवाल और मोतीलाल मीणा प्रदेश महामंत्री हैं।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने चांदनपुर के महावीर के दर्शन किए

फोटो: संजय जैन
मोबाइल@ 9414349477

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपनी पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ के साथ भगवान महावीर के दर्शन किए और देश की एकता, अखंडता और विश्व शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान राजस्थान सरकार के उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा उनके साथ मौजूद रहे। उपराष्ट्रपति अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत मंगलवार को वायुसेना के विशेष विमान से 1बजकर 10 मिनट पर गंभीर नदी के तट पर बने हैलीपैड पहुंचे। हैलीपैड पर संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना, पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष सुधांशू कासलीवाल के साथ ही अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्प गुच्छ भेंट कर उपराष्ट्रपति का स्वागत किया। यहां से उपराष्ट्रपति कार से गंभीर नदी कॉजवे से करीब 1बजकर 25 बजे मुख्य मंदिर पहुंचे। मंदिर में करीब 25 मिनट तक भगवान महावीर की विशेष पूजा की। मंदिर में पंडित मुकेश जैन शास्त्री एवं मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत पूजा संपन्न करवाई और प्रबंधसमिति की ओर से प्रसाद स्वरूप उन्हें माला और अंग वस्त्र भेंट किए।मंदिर परिसर में प्रबंध कारिणी कमेटी के मानदमंत्री सुभाष जैन ने उपराष्ट्रपति को राजस्थान का साफा ओर माला व स्मृति चिन्ह भेंट की। जिला प्रशासन के पदाधिकारियों ने उपराष्ट्रपति का फूल मालाओं से स्वागत किया।उत्तर भारत के प्रसिद्ध दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र अलौकिक सुंदरता देख उपराष्ट्रपति अभिभूत दिखे। मंदिर से बाहर निकलते समय उन्होंने हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन भी किया। इस मौके पर प्रशासन के अधिकारियों सहित मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल उपाध्यक्ष शांति कुमार जैन, मानद मंत्री सुभाष जैन, संयुक्त मंत्री पीके जैन, सदस्य रूपेंद्र काला, अनिल दीवान, मैनेजर प्रवीण कुमार जैन आदि उपस्थित थे।

जयकारों के साथ रवाना हुआ तीन दिवसीय धार्मिक यात्रा दल

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन युवा एवं महिला संगठनों की प्रदेश स्तरीय पंजीकृत प्रतिनिधि संस्था राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के बैनर तले धार्मिक यात्रा दल मंगलवार को भगवान आदिनाथ के जयकारों के साथ दुगार्पुरा रेलवे स्टेशन से मध्य प्रदेश के कुण्डलपुर के लिए रवाना हुआ। युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि दयोदय एक्सप्रेस से रवाना हुए इस यात्रा दल को समाज के गणमान्य श्रेष्ठीजनों ने शुभकामनाएं देकर रवाना किया। यात्रा दल के संयोजक रमेश बाकलीवाल एवं मनोज सोगानी पहाडी वाले के मुताबिक यात्रा दल जयपुर से रवाना होकर दमोह पहुंचेगा जहां से बुधवार को बसों द्वारा सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर पहुंचेगा जहां मूलनायक भगवान आदिनाथ बडे बाबा एवं मन्दिर दर्शन करते हुए मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक करेगें। तत्पश्चात विश्व में अमन चैन एवं सुख शांति की कामना के साथ शांतिधारा करेगें। सहसंयोजक चेतन जैन निमोडिया एवं नरेश बाकलीवाल ने बताया कि यात्रा दल के सदस्य अष्ट द्रव्य से पूजा-अर्चना करेंगे। जैन के मुताबिक यात्रा के दौरान सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर, अतिशय क्षेत्र गढ़ा कोटा में मंदिरों के दर्शन लाभ एवं क्षेत्र की वन्दना करेगें। जैन के मुताबिक अतिशय क्षेत्र पथरिया में आचार्य विराग सागर महाराज के मुनिसंघो के दर्शन कर आरती का पुण्यार्जन करेगें। दमोह स्थित मंदिरों के दर्शन लाभ प्राप्त करेगें। जैन के मुताबिक यात्रा दल द्वारा यात्रा के दौरान भगवान महावीर के सिद्धांत जीओ और जीने दो सहित अहिंसा, शाकाहार का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। यात्रा दल में प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा,रमेश बाकलीवाल, मनोज सोगानी पहाडी वाले, नरेश बाकलीवाल, सौरभ जैन, पूरण गंगवाल, महेश बाकलीवाल, रवि जैन, विनोद सेठी, दिनेश बाकलीवाल, तेजेन्द्र सोगानी, मनीष सेठी सहित बडी संख्या में जैन बन्धु शामिल हुए ।

मकर संक्रांति पर की गौ सेवा - दुर्गापुरा गौशाला में गायो को खिलाया चारा, गुड़ एवं लड्डू

जयपुर. शाबाश इंडिया

मकर संक्रांति के मौके पर जयपुर वासियों द्वारा किये जाने वाले सेवा कार्यों के अन्तर्गत जैन सोश्यल ग्रुप मेट्रो जयपुर के बैनर तले गौ सेवा की गई। संस्थापक अध्यक्ष विनोद-दीपिका जैन कोटखावदा ने जयपुर सासंद राम चरण बोहरा एवं अन्य समाज बन्धुओं के साथ गायो को हरा चारा, गुड़ एव औषधियों के लड्डू खिलाऐ। इस मौके पर राजस्थान गौ सेवा संघ के पदाधिकारियों ने भी सहभागिता निभाई तथा सासंद एव समाजसेवी विनोद जैन कोटखावदा का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया।

जेसीआई ने की नवीन सत्र की शुरूआत मकर संक्रांति के साथ

गेम खेले और विजेताओं को दिए उपहार, जरूरतमंदों को आज होगा अन्न वितरण

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। महिलाओं के स्वयं सेवी संगठन जेसीआई मुरेना जागृति ने नवीन सत्र का शुभारंभ मकर संक्रांति एवम लोहणी पर्व के साथ किया। नगर के महिलाओं के स्वयं सेवी संगठन जेसीआई मुरैना जागृति ने अपने नए सत्र का उद्घाटन मकर संक्रांति और लोहड़ी मनाकर किया। इस अवसर पर महिलाओं ने मनोरंजनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया और सालभर के कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा भी की। जेसीआई के इस खास कार्यक्रम का आयोजन सोमवार की शाम जीवाजी गंज स्थित गर्ग सेवा सदन में किया गया। यहां सबसे पहले कोषाध्यक्ष जेसी अंजना गर्ग ने सभी सदस्यों पर पुष्प वर्षा करके उनका स्वागत किया। पश्चात सभी सदस्यों ने अग्नि में मूंगफली, रेवड़ी डालकर लोहड़ी की पूजा की। इसके बाद भांगड़ा, टप्पे नृत्य हुआ और फिर नई अध्यक्ष जेसी ललिता गोयल ने सभी सदस्यों को हाऊजी और अन्य गेम्स खिलाए। जिसमें विजेता सदस्यों को पुरस्कार भी दिए गए। इसके अलावा बेस्ट डांस, बेस्ट ड्रेस और पंक्चुअलिटी के लिए भी पुरस्कार प्रदान किये गए। कार्यक्रम के दौरान जेसीआई मेम्बर्स ने सालभर के कार्यक्रमों पर चर्चा की। सभी ने एकसुर में संकल्प लिया कि आगामी वर्ष में भी संगठन सेवाभाव बनाये रखेगा और महिलाओं के व्यक्तिगत बिकास से संबंधित गतिविधियों का आयोजन करेगा। तय हुआ कि मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में 17 जनवरी को जेसीआई मुरैना जागृति द्वारा जरूरतमंद लोगों को अन्नदान किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में सहभोज भी रखा गया था। कार्यक्रम में आईपीपी जेसी ज्योति मोदी, प्रेसिडेंट ललिता गोयल, सचिव जेसी कंचन चावला, कोषाध्यक्ष जेसी अंजना गर्ग, फाउंडर प्रेसिडेंट भावना जैन, पास्ट प्रेसिडेंट जेसी भारती मोदी, जेसी अनुराधा गर्ग, जेसी नीलम अग्रवाल, जेसी अंजना शिवहरे सहित जेसी मिनी गर्ग, जेसी रश्मि सिंह, जेसी नीतू भारद्वाज, जेसी श्वेता अग्रवाल, जेसी सपना बंसल, जेसी शिखा गुप्ता, जेसी राखी खेड़ा, जेसी राखी यादव सम्मिलित हुईं।

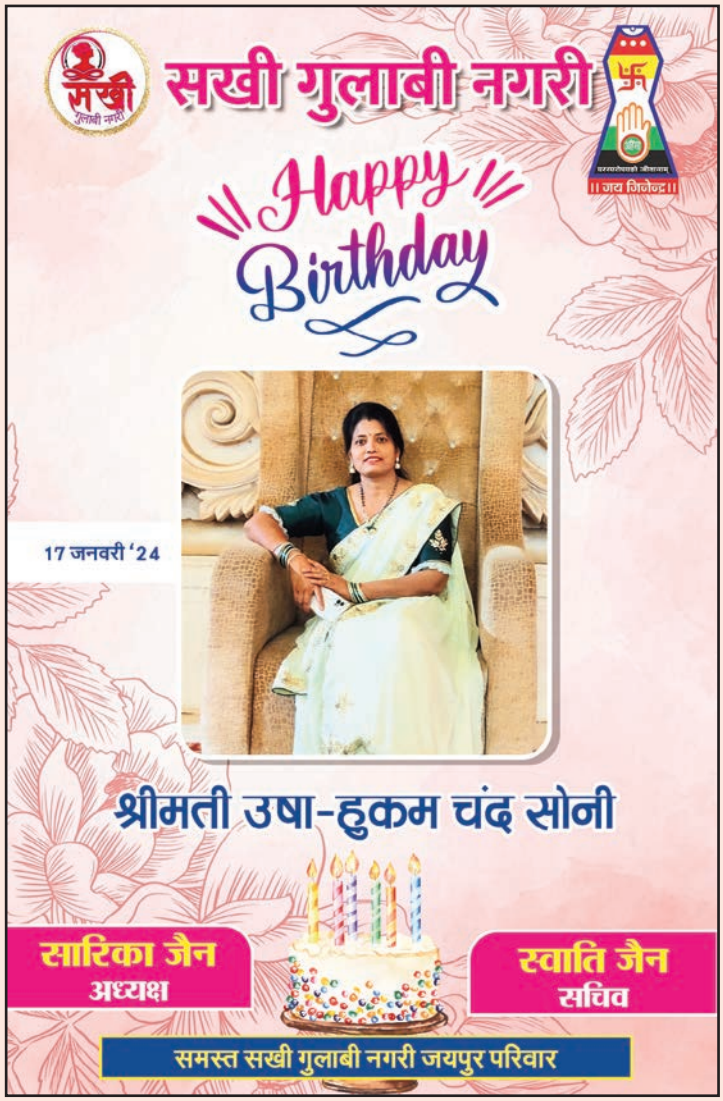

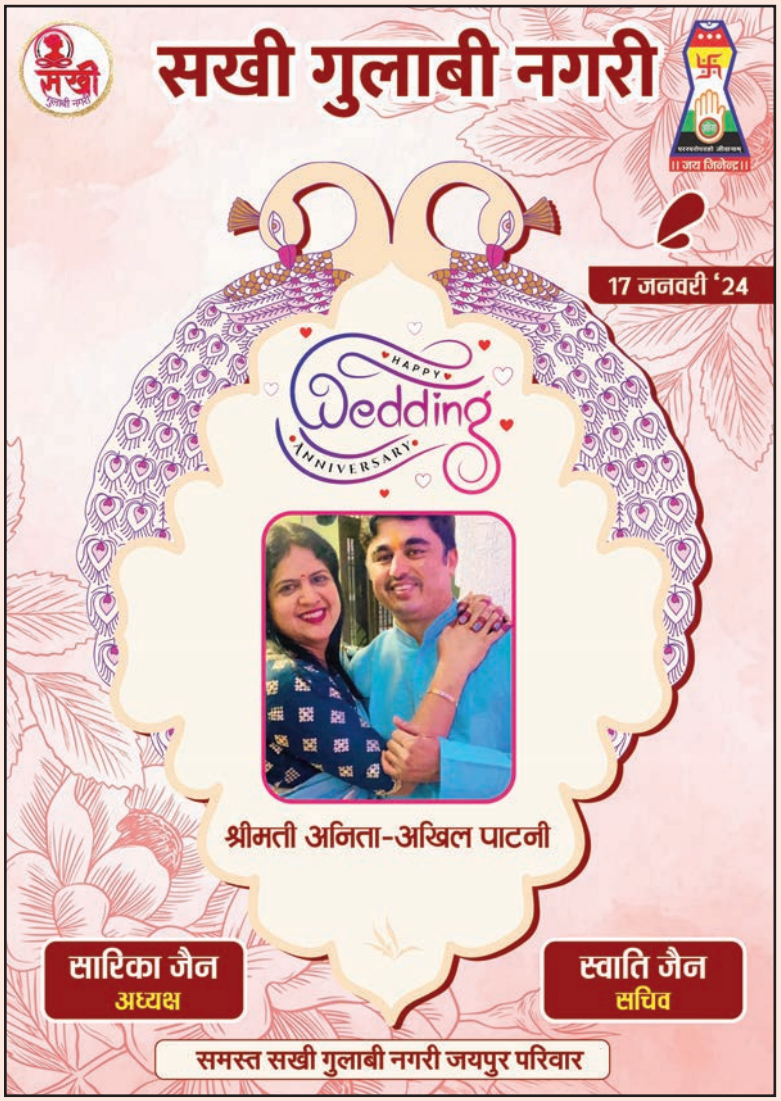

वेद ज्ञान

जब नाचते गाते मिला ईश्वर का साथ

सूफी शब्द की उत्पत्ति के कई संभावित स्रोत हैं। कुछ का कहना है कि इस शब्द का जन्म सूफ शब्द से हुआ है जिसका अर्थ होता है 'ऊन' जो पहले के इस्लामिक सूफियों या जमाल सूफ का साधारण सा वस्त्र हुआ करता था। शब्द का अर्थ सूफा या बेंच से भी लिया जा सकता है क्योंकि पहले 45 चिकित्सकों द्वारा मदीना में पैगंबर के द्वार पर बेंच का इस्तेमाल बैठने में किया जाता था। वे उन बेंच पर बैठकर लगातार प्रार्थना और उपवास किया करते थे। वे अशब-ए-सूफा या बेंच के लोग कहलाए। उस मस्जिद में पैगंबर मोहम्मद के कक्ष में आज भी उन बेंचों को देखा जा सकता है। वो अल-फूकारा के नाम से भी जाने गए जो फकीर या निर्धन का बहुवचन है। पवित्र ज्ञान की खोज में, एक सूफी आकांक्षी अपनी आंतरिक जागृति को एक आध्यात्मिक गुरु को सौंप देता है जिन्हें शेख या पीर कहा जाता है। इस्लाम के कथित कठोर धार्मिक कानूनों के विपरीत कविता, नृत्य, कला, सुलेख और सार्वभौमिक प्रेम को सूफीवाद का दिल कहा गया है। सूफी परंपरा को आमतौर पर स्थानीय संस्कृतियों से अपनाया गया है ताकि लोग अपनी श्रद्धा अपनी भाषा और अपने तरीकों से अभिव्यक्त कर सकें। शायद इसलिए तुर्की जैसे देशों में व्हर्लिंग आम है और भारत में कव्वाली मुख्य रूप से आती है। इस तरह के समारोह में श्रद्धालु ट्रिजन्स और विचरण करती आत्मा के लिए बीच में रास्ता छोड़कर कव्वाल के दोनों ओर बैठते हैं। ऐसा माना गया है कि इस तरह के जनसमूह में आत्माओं के पोषण के लिये शर्राब-एमारीफह अर्थात आध्यात्मविद्या की शराब और शराबे शराबे-मोहब्बह अर्थात 'प्यार की शराब' को भारी मात्रा में उड़ेला जाता है। कव्वाली गायन के दौरान अगर कोई परम आनंद की अवस्था में चला जाता है तो बाकी कव्वाल उसी लाइन को तब तक दोहराते रहते हैं जब तक वह उस अवस्था से वापस सामान्य अवस्था में नहीं आ जाता। सूफीवाद में, भगवान के लिए दिव्य प्रेम और आनंदमय आत्मज्ञान का वर्णन कुछ और लोकप्रिय उपमाओं में भी किया गया है।

संपादकीय

कम नहीं है लक्षद्वीप का रणनीतिक महत्त्व

हिंद महासागर और अरब सागर से लगे कई देशों में चीन ने आधारभूत परियोजनाओं और बंदरगाहों का निर्माण कर भारत की सामरिक चुनौतियों को बढ़ा दिया है। पिछले कुछ दशक में चीन ने तेजी से अपनी नौसैनिक क्षमताओं का आधुनिकीकरण किया है। उसका मुकाबला करने के लिए भारत ने भी पिछले कुछ वर्षों में अपनी नौसेना और तटरक्षक बलों को मजबूत किया है। इसके साथ ही भारत ने अपनी समुद्री सुरक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिए जिन केंद्रों को चिह्नित किया है, लक्षद्वीप उसमें बेहद अहम है। लक्षद्वीप छत्तीस द्वीपों का एक समूह है और इसका कुल क्षेत्रफल बत्तीस वर्ग किलोमीटर है। यह अरब सागर में करीब तीस हजार वर्ग मील तक फैला हुआ है। अरब सागर की सीमा यमन, ओमान, पाकिस्तान, ईरान, भारत और मालदीव को छूती है। यह एक ऐसा समुद्री क्षेत्र है, जो कई अहम ''शिपिंग लेन'' और बंदरगाहों को जोड़ता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए यह एक अहम रास्ता बन जाता है। अरब सागर तेल और प्राकृतिक गैस का बड़ा भंडार है और इस क्षेत्र में ऊर्जा का अहम संसाधन भी है। अरब सागर में जहाजों की किसी भी गतिविधि पर नजर रखने के लिए लक्षद्वीप द्वीप समूह को एक सुविधाजनक स्थान के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। यह भी दिलचस्प है कि भारत के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र का आकार बहुत विशाल है तथा इसमें लक्षद्वीप भी शामिल है। विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र किसी भी देश के समुद्री तट से दो सौ समुद्री मील यानी 370 किलोमीटर की दूरी तक होता है। लक्षद्वीप के कारण भारत को समुद्र के बड़े क्षेत्र पर अधिकार मिल गया है, जिससे दूर-दूर तक गुजरने वाले जहाजों की आवाजाही पर नजर रखी जा सकती है। लक्षद्वीप के कवरत्ती द्वीप पर भारतीय नौसैनिक अड्डा है। इसके साथ ही भारत अब लक्षद्वीप पर एक मजबूत अड्डा तैयार कर रहा है, जिससे चीन से मुकाबला करने में बड़ी मदद मिलने की उम्मीद है। भारत की कुल तटीय सीमा सात हजार पांच सौ सोलह किलोमीटर की है। यह गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, ओड़ीशा तथा पश्चिम बंगाल राज्यों के साथ-साथ संघ-शासित प्रदेशों दमन और दीव, लक्षद्वीप, पुदुचेरी तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तक फैली हुई है। भारत की दक्षिण पश्चिमी सीमा पर अरब सागर और सह्याद्रि पर्वत शृंखलाओं के मध्य स्थित केरल राज्य भारत की सामरिक सुरक्षा का बड़ा केंद्र माना जाता है। कोच्चि केरल का बंदरगाह नगर है, जो लक्षद्वीप सागर से लगा हुआ है। कोच्चि को अरब सागर और हिंद महासागर का एक महत्त्वपूर्ण प्रवेश द्वार माना जाता है। यह कृषि उत्पादों, औद्योगिक वस्तुओं और कच्चे माल सहित राज्य के आयात और निर्यात का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा संभालता है। यह बहुत प्राचीन काल से दुनिया का एक महत्त्वपूर्ण बंदरगाह शहर रहा है, जहां मध्य पूर्व और यूरोप सहित दुनिया के विभिन्न हिस्सों से व्यापारी आते रहे हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

चीनपरस्ती का प्रदर्शन

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने चीन से लौटते ही जिस तरह अपने देश में कार्यरत भारतीय सैनिकों को 15 मार्च तक जाने को कह दिया, उससे यह स्पष्ट है कि उनकी दिलचस्पी इसमें बिल्कुल भी नहीं है कि दोनों देशों के संबंध मैत्रीपूर्ण बने रहें। आखिर जब भारत उनके इस आग्रह को स्वीकार करने के लिए तैयार हो गया था कि वह अपने सैनिकों को वापस बुला ले तब फिर इस तरह से अल्टीमेटम देने की क्या आवश्यकता थी। उन्होंने केवल भारतीय सैनिकों को मालदीव से जाने को ही नहीं कहा है, बल्कि भारत से आवश्यक वस्तुओं और विशेष रूप से दवाओं और अनाज का आयात कम करने के भी संकेत दिए हैं। इसके अलावा वह भारत से हुई विभिन्न संधियों की समीक्षा भी कर रहे हैं। इसके नतीजे में दोनों देशों के संबंधों में और गिरावट आना तय है। भारत और मालदीव के संबंधों में खटास केवल तभी पैदा नहीं हुई जब भारतीय प्रधानमंत्री की लक्षद्वीप यात्रा पर राष्ट्रपति मुइज्जू के तीन उपमंत्रियों ने भारत के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां कीं। सच तो यह है कि मुइज्जू के राष्ट्रपति बनते ही यह स्पष्ट हो गया था कि वह भारत के लिए सिरदर्द बनने के साथ चीन की गोद में बैठने जा रहे हैं। भारत से दूरी बढ़ाने के लिए ही वह अपनी पहली विदेश यात्रा के तहत तुर्किए गए, जो कि भारत विरोध के लिए जाना जाता है। इसी तरह उन्होंने परंपराओं की अनदेखी करते हुए भारत से पहले चीन की यात्रा करना आवश्यक समझा और वहां से लौटने के बाद यह जताने की कोशिश की कि वह स्वतंत्र विदेश नीति पर चलना चाहते हैं। यह महज दिखावा ही है। सच यही है कि वह चीन की कठपुतली की तरह काम करने को तैयार हैं। मुइज्जू का भारत विरोध नया नहीं है। राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ही उन्होंने यह अभियान छेड़ दिया था कि यदि वह सत्ता में आए तो भारतीय सैनिकों को देश छोड़ने के लिए कहेंगे। उन्होंने ऐसा माहौल बनाया जैसे भारत ने अपना कोई सैन्य अड्डा मालदीव में बना रखा है, जबकि वहां भारत के सौ से भी कम सैनिक हैं और वे भी एक समुद्र टोही विमान और दो हेलीकाप्टरों के संचालन और राहत एवं बचाव कार्यों के लिए हैं। अब जब यह पूरी तरह स्पष्ट हो गया है कि मालदीव के राष्ट्रपति चीन के इशारे पर भारत विरोध की नीति पर चलने पर आमादा हैं तब भारत को न केवल सतर्क रहना होगा, बल्कि साम-दाम-दंड-भेद के तहत मालदीव में भारतीय हितों की रक्षा भी करनी होगी। इसकी आशंका बढ़ गई है कि वहां चीन का दखल बढ़ेगा। भारत को मालदीव से केवल इसलिए सतर्क नहीं रहना कि मुइज्जू चीनपरस्ती पर आमादा हैं, बल्कि इसलिए भी रहना होगा, क्योंकि वहां भारत विरोधी जिहादी ताकतें भी सिर उठा रही हैं।

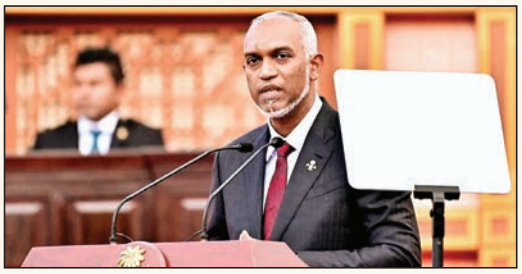

दिगम्बर जैन मंदिर में महिला परिषद के चुनाव संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

शपथ ग्रहण समारोह सेक्टर 7 मालवीय नगर पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में महिला परिषद के चुनाव में संरक्षक सुमित्रा छाबडा, अध्यक्ष मिथलेश जैन, सचिव उर्मिला जैन रही। अनीता सेठी, मृदुला संखेलिया, मनोरमा जैन, संजू लुहड़िया, डिम्पल जैन, आशा जैन, आशु गंगवाल, सुनीता सेठी, रश्मि गंगवाल, रश्मि छाबड़ा, मैना जैन, सुनीता जैन, इला जैन, श्वेता जैन, सोनल जैन, रीमा जैन, शशि कासलीबाल कार्यकारिणी सदस्य रहे।

परिवहन विभाग नें सड़क सुरक्षा माह में बच्चों को किया जागरूक

हेलमेट पहनो, धीरे चलो सुरक्षित रहो

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। झड़वासा मंगलवार को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2024 के तहत प्रादेशिक परिवहन कार्यालय अजमेर के परिवहन निरीक्षक अनिल कुमार शर्मा द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय झड़वासा के राष्ट्रीय राज मार्ग 48 नसीराबाद में सड़क सुरक्षा के तहत जागरूकता किया। परिवहन अधिकारी अनिल शर्मा द्वारा उपस्थित बच्चों सहित सभी को बताया सड़क दुर्घटनाओं के मुख्य कारण एवम इनको रोकने और कम करने हेतु संपूर्ण जानकारी बताई गईं और बताया की सड़क पर वाहन चलाते समय हेलमेट एवम सीट बेल्ट की अनिवार्य उपयोगिता के साथ सड़क यातायात चिन्हों की एवम सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्ति की मदद करने हेतु सभी बच्चों को जागरूक किया गया। स्कूल के समस्त बचो को सड़क सुरक्षा पेंपलेट और ड्राइविंग सुरक्षा बुकलेट भी दी गई। जानकारी देने के पश्चात बच्चों प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम भी रखा गया जिसमें बच्चों द्वारा सही जवाब देने पर पुरुस्कार भी दिया गया। इस मौके पर विद्यालय प्रिंसिपल कोशल्या यादव मय समस्त स्टाफ, सरपंच भंवर सिंह गौड, परिवहन विभाग गार्ड शेर मोहमद, धर्मेंद्र रावत एवम अन्य कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

जयपुर मेन ग्रुप द्वारा मानव सेवार्थ कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के संस्थापक परम श्रद्धेय स्व. प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल के 76 वें जन्मोत्सव - सेवा दिवस के अवसर पर दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप मेन के द्वारा दुर्गापुरा जयपुर में स्थित गौशाला में गौवंश को गुड व चारा खिलाया गया। इस कार्यक्रम हेतु ग्रुप के निवर्तमान अध्यक्ष डॉ राजेंद्र कुमार जैन के द्वारा आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। इस अवसर पर वर्तमान में नव नियुक्त अध्यक्ष धनु कुमार जैन व सचिव हीरा चन्द बैद, पूर्व सचिव महेंद्र छाबड़ा एवं पूर्व कोषाध्यक्ष णमोकार जैन व वीर कुमार जैन भी उपस्थित थे।

शरीर कौनसी चेतावनी देता है जिसे लोग नजरअंदाज करते हैं और मुसीबत में पड़ते हैं ?

शाबाश इंडिया

शरीर कई तरह की चेतावनी देता है, जिन्हें लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। इन चेतावनियों को नजरअंदाज करने से कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं, जिसमें गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं भी शामिल हैं।

कुछ आम चेतावनी वाले संकेत हैं:

दर्द: दर्द एक संकेत है कि कुछ गलत है। यह चोट, बीमारी, या अन्य समस्या का संकेत हो सकता है।

थकान: थकान एक संकेत है कि शरीर को आराम और पोषण की आवश्यकता है।

अनियमित मासिक धर्म: अनियमित मासिक धर्म एक संकेत हो सकता है कि हार्मोन असंतुलित हैं।

वजन में तेजी से बदलाव: वजन में तेजी से बदलाव एक संकेत हो सकता है कि कुछ गलत है।

खराब नींद: खराब नींद एक संकेत है कि शरीर को आराम करने की आवश्यकता है।

एकाग्रता में कठिनाई: एकाग्रता में कठिनाई एक संकेत हो सकता है कि शरीर को आराम और पोषण की आवश्यकता है।

भूख में परिवर्तन: भूख में परिवर्तन एक संकेत हो सकता है कि हार्मोन असंतुलित हैं।

मुंह में छाले: मुंह में छाले एक संकेत हो सकता है कि शरीर को आराम और पोषण की आवश्यकता है।

खांसी या सांस लेने में तकलीफ: खांसी या सांस लेने में तकलीफ एक संकेत हो सकता है कि फेफड़े या श्वास नलिका में कोई समस्या है।

पेट दर्द: पेट दर्द एक संकेत है कि पाचन तंत्र में कोई समस्या है।

पेशाब में जलन या बदलाव: पेशाब में जलन या बदलाव एक संकेत हो सकता है कि मूत्राशय या गुर्दे में कोई समस्या है।

त्वचा पर बदलाव: त्वचा पर बदलाव एक संकेत हो सकता है कि शरीर में किसी तरह का संक्रमण है।

यदि आप इनमें से किसी भी चेतावनी संकेत का अनुभव करते हैं, तो अपने डॉक्टर से परामर्श करना महत्वपूर्ण है। डॉक्टर आपकी समस्या का कारण निर्धारित करने और उचित उपचार प्रदान करने में आपकी सहायता कर सकता है। यहां कुछ सुझाव दिए गए हैं कि आप अपने शरीर की चेतावनियों को कैसे सुन सकते हैं और उन्हें नजरअंदाज न करें: अपने शरीर को सुनें। जब आप अपने शरीर में कुछ अलग महसूस करते हैं, तो इसे नजरअंदाज न करें। अपनी भावनाओं पर ध्यान दें। यदि आप लगातार थका हुआ, चिंतित, या उदास महसूस कर रहे हैं, तो यह एक संकेत हो सकता है कि कुछ गलत है। नियमित रूप से डॉक्टर के पास जाएं। नियमित स्वास्थ्य जांच आपको किसी भी संभावित समस्या का पता लगाने में मदद कर सकती है। अपने शरीर की चेतावनियों को सुनना और उन्हें नजरअंदाज न करना आपकी स्वास्थ्य और कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है।

डॉ पीयूष त्रिवेदी: आयुर्वेदाचार्य

चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान

18वां जन्मदिन मानव सेवार्थ रक्तदान करके मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले श्योपुर रोड निवासी मृदुल खण्डेलवाल ने आज अपना 18वां जन्मदिन किसी की जान बचाने के लिए रक्तदान कर मनाया। मृदुल खण्डेलवाल ने अपने जन्मदिन पर EHCC हॉस्पिटल में रक्तदान करके समाज और रक्तदाताओं को प्रेरित करने का पुण्य कार्य किया है। इस कार्य के लिए प्रोत्साहन मृदुल के माता पिता अमित खण्डेलवाल और आरती खण्डेलवाल ने किया। मृदुल खण्डेलवाल की इच्छा है की वो हर वर्ष अपना जन्मदिन रक्तदान करके ही मनाएगा।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के संस्थापक सचिव, कार्यकारिणी सदस्य

जैन सोश्यल ग्रुप कैपिटल के अध्यक्ष

श्री अनिल - श्रीमती प्रेमा रावका

17 जनवरी' 24

मोबाइल नंबर 7062481246

को वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या

संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका

सचिव: राजेश - रानी पाटनी

कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

|| श्री महावीराय नमः ||

मूलनायक 1008 श्री महावीर भगवान

श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर चित्रकूट कॉलोनी, सांगानेर थाना-जयपुर

(राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 (42) अन्तर्गत पंजीकृत सं. 59/जयपुर/2009)

की पुण्य पावन धरा पर

वात्सल्य वारिधिनि राष्ट्र गौरव, बाल योगिनी परम पूज्या गुरु माँ गणिनी आर्यिका

105 श्री भरतेश्वरमति माताजी ससंघ

के पावन सान्निध्य में

प.पू. वात्सल्य रत्नाकर आचार्य 108 श्री विमलसागरजी महाराज

प.पू. मर्यादा शिष्योत्तम आचार्य 108 श्री भरतसागरजी महाराज

वात्सल्य वारिधिनि बाल योगिनी सरल स्वभावी राष्ट्र गौरव परम पूज्या गुरु माँ गणिनी आर्यिका 105 श्री

भरतेश्वरमति माताजी

श्री भरत-भरतेश्वरमति त्यागी व्रती संत भवन शिलान्यास एवं आयुर्वेदिक धमार्थ औषधालय व संत भवन के अग्रभाग का निर्माण

शुभारम्भ समारोह

बुधवार 17 जनवरी 2024

श्री भरत-भरतेश्वरमति त्यागीवृत्ति संत भवन
श्रीमती शकुन्तला-श्री अमोलक चन्द जी पाटनी
पुण्यार्जक परिवार

श्रीमती शकुन्तला जी ध.प. स्व. श्री अमोलक चन्द जी पाटनी, राजेशजी-रानी जी, शैलेश जी-रूपा जी, मनीषजी-सोनाली जी (पुत्र-पुत्रवधु), प्रखरजी-शिवानी जी (पौत्र-पौत्रवधु), भव्य, श्रेयन, रिद्धि, चयन (पौत्र पौत्रियाँ), राजिताजी-दिव्यांशुजी (पौत्री-पौत्री दामाद) एवं समस्त पाटनी परिवार मारोठ वाले, फूल कॉलोनी, सांगानेर, जयपुर

वात्सल्य आमंत्रण

धर्मप्रेमी बन्धुओं,

सादर जय-जिनेन्द्र !

पर्यटक शहर, गुलाबी नगरी व आसपास के अतिशय क्षेत्रों से परिपूर्ण जयपुर महानगरी में परम पूज्य वात्सल्य रत्नाकर आचार्य 108 श्री विमलसागरजी महाराज के पट्ट शिष्य मर्यादा शिष्योत्तम आचार्य 108 श्री भरतसागरजी महाराज की सुविज्ञ शिष्या वात्सल्य वारिधिनि परम पूज्या गुरु माँ गणिनी आर्यिका 105 श्री भरतेश्वरमति माताजी ससंघ के सानिध्य में श्री भरतेश्वरमति त्यागी व्रती संत भवन शिलान्यास एवं आयुर्वेदिक धमार्थ औषधालय व संत भवन के अग्रभाग का निर्माण शुभारम्भ समारोह बुधवार, 17 जनवरी 2024 को आयोजन किया जा रहा हैं।

आप सभी साधर्मी बन्धु इस मांगलिक कार्यक्रम में सम्मिलित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायें एवं गुरु माँ का आशीर्वाद प्राप्त करें।

आर्यिका 105 श्री गिरनारमति माताजी

आर्यिका 105 श्री भव्यमति माताजी

ब्र. प्रवीण भैया जी

ब्र. कान्ताबाई

बा.ब्र. अनुकम्पा दीदी

बा.ब्र. संचिता दीदी

प्रतिष्ठाचार्य

पं. विमल कुमार जी जैन (बनेठा वाले) जयपुर

संगीतकार
दुर्गेश एण्ड पार्टी
नैनवा

मांगलिक कार्यक्रम

प्रातः 7.25 बजे से - जिनेन्द्र अर्चना, गुरु वंदना, गुरु आज्ञा, संघ निमंत्रण, शिलान्यास समारोह, श्रीजी विराजमान, अभिषेक शांन्तिधारा, शान्ति व भू जाप्य, खनन विधि, भूमि पूजन शिलान्यास, नित्यामह पूजन, विनायक यंत्र पूजन, दर्श स्थापना, गुरु माँ के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेंट, प्रवचन, पंचकुमार आह्वानन, वास्तु विधि पूर्वक संत भवन, आयुर्वेदिक धमार्थ औषधालय एवं संत भवन के अग्रभाग निर्माण का शुभारम्भ, गुरु के मंगल आशीर्वचन

प्रातः 11.15 बजे - वात्सल्य भोजन

श्रीमती कमला देवी-श्री रतनलाल सोगानी आयुर्वेदिक धर्मार्थ औषधालय
(अधिनस्थ श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर चित्रकूट समाज, सांगानेर)
पुण्यार्जक परिवार

श्रीमती कमला देवी जी ध.प. रतनलालजी सोगानी, कैलाशचन्द्जी-राजेश देवी जी, राजेन्द्र जी-सुनीता जी, सुनील जी-रितु जी (पुत्र-पुत्रवधु), प्रतीक जी-रिचा जी, राहुल जी-पायल जी आकाश जी-रिया जी (पौत्र-पौत्रवधु), आकांक्षा (पौत्री) लोकित, विधान, द्रव्य (पड़पौत्र) एवं समस्त सोगानी परिवार चनानी वाले, दिनेश कॉलोनी, सांगानेर जयपुर

संत भवन प्रथम तल अग्रभाग निर्माण शुभारंभकर्ता
(प्रेरणास्रोत - स्व. श्री मोतीलाल जी-स्व. श्रीमती सम्पत देवी जी बैनाड़ा)
पुण्यार्जक परिवार

श्री ज्ञानचन्द जी, कैलाशचन्द जी-स्नेहलता जी, सुनील जी-अनिताजी (पुत्र-पुत्रवधु) अमित जी-प्रीति जी (पौत्र-पौत्रवधु) भव्य, कुमारी सान्वी (पौत्र-पौत्री) एवं समस्त बैनाड़ा परिवार, चित्रकूट कॉलोनी, सांगानेर जयपुर

आमंत्रित अतिथिगण

श्री कैलाशचन्द जी माणकचन्द जी
रमेश चन्द जी सोलिया, माडल टाउन
श्री शान्तिकुमार जी-श्रीमती ममता जी सोगानी जापान वाले
श्री अशोक कुमार जी चाँदवाड़, कीर्तिनगर
श्री राजीव जी जैन, गाजियाबाद वाले, बापूनगर
श्री शिखरचन्द जी जैन सारसोप वाले
श्री शिखरचन्द जी जैन दुर्गापुरा साईवाड़ वाले
श्री राजेश जी गंगवाल, नेमीसागर कॉलोनी
श्री दिनेश कुमार बड़जात्या,
लालसोट वाले, मालवीय नगर
श्री पवन कुमार जी गोधा, सिद्धार्थ नगर
श्री सुशील जी-श्रीमती सुशीला जी मोदी, मोदी नगर
श्री निर्मल कुमार जी जैन, धुआँ वाले, सेक्टर-3, प्रताप नगर
श्री रमेश जी वाकलीवाल (निमोड़िया वाले), दुर्गापुरा
श्री ओम जी काला (मामाजी) मुरलीपुरा
श्रीमती आशा जी सेठी, विवेक विहार
श्री पारस जी जैन (काशीपुरा) (पार्षद-जयपुर हैरिटेज)
श्री सचिन जी कामां वाले
श्री सुरेश चन्द जी जैन, तारा नगर, जगतपुरा
श्री रामचन्द्र जी सर्राफ, आमेर रोड
श्री अजय जी, विजय जी, संजय जी, कटारिया
श्री रश्मिकान्त जी सोनी, लाल बहादुर नगर
श्री मनोज जी जैन (पहाड़ी वाले) दुर्गापुरा

श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर प्रबन्ध समिति

अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	संयुक्त मंत्री	कोषाध्यक्ष	मंत्री
केवलचन्द गंगवाल	बाबूलाल बिलाला	महावीर कुमार वैद	सत्यप्रकाश कासलीवाल	अनिल कुमार बोहरा
(निमोडिया वाले)	(पिलिया वाले)	(सिरोली वाले)	(चित्रकूट कॉलोनी)	(काशीपुरा वाले)
9352669300	9166615161	9928811037	8005548280	9414769596

प्रकाश लुहाडिया (सिकन्दरा वाले), बालमुकुन्द सोगानी (बोली वाले), योगेश पाटनी, प्रकाश चन्द सिंघल (पवालियां वाले) निर्मल कुमार गंगवाल (जामडोली वाले), बाबूलाल वैद (कोटखावदा वाले)

श्री महावीर नवयुवक मण्डल

अध्यक्ष	मंत्री	कोषाध्यक्ष
सुरेन्द्र सोगानी (चनानी वाले)	मनीष पाटनी (काशीपुरा वाले)	प्रदीप कुमार वैद (मण्डावरी वाले)

एवं समस्त मण्डल कार्यकारिणी

श्री महावीर महिला मण्डल

अध्यक्ष	मंत्री	कोषाध्यक्ष
राजेश देवी सोगानी (चनानी वाले)	बुलबुल पापड़ीवाल (माधोराजपुरा वाले)	अमिता कासलीवाल (बूंदी वाले)

एवं समस्त मण्डल कार्यकारिणी

निवेदक : सकल दिगम्बर जैन समाज, चित्रकूट कॉलोनी, सांगानेर थाना सर्किल, जयपुर

विनीत : सकल दिगम्बर जैन समाज, जयपुर

वात्सल्य सत्कार : बाहर से पधारे अतिथियों एवं समाज के बन्धुओं के लिए भोजन की व्यवस्था है। कृपया पधारकर आतिथ्य स्वीकार करें।

देव-शास्त्र-गुरु का विनय करते हुए पत्रिका को पढ़कर अपने समीपस्थ जिनालय में उचित स्थान पर लगावें।

मुद्रक : राजू ग्राफिक आर्ट (संदीप शाह) जयपुर मो. 9829050791, 0141-4030791 Email : rajugraphicart@gmail.com

51 संस्थाओं ने सुरेश मिश्रा के जन्मदिन पर नागरिक अभिनन्दन किया

सर्व ब्राह्मण महासभा जयपुर देहात के अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा द्वारा 251 मीटर चुनरी का साफा बंधवाया गया। राज्यपाल, मुख्यमंत्री सहित प्रदेश के सभी मंत्री, विधायकों ने दी बधाई

जयपुर. शाबाश इंडिया

भाजपा नेता एवं सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा के जन्मदिन के अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर से नागरिक अभिनंदन किया गया। इस अवसर जयपुर देहात के अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा के नेतृत्व में 101 युवाओं ने 251 मीटर का साफा बंधवाकर सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा का अभिनंदन किया। साथ ही राजस्थान के राज्यपाल महामहिम कलराज मिश्र, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित पुरे प्रदेश के मंत्री, विधायकों ने जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। गब्बर कटारा ने बताया कि संस्कृति संस्था के संरक्षक एडवोकेट एच.सी. गणेशिया, नरवर आश्रम सेवा समिति के बी.एम. शर्मा, राजपूत करणी सेना के संदीप गुढा, फोर्टी के आर.एस. मित्तल, वैश्य आरक्षण मंच के अध्यक्ष चित्रा गोयल, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के नवीन सक्सेना, प्रमुख कथावाचक आचार्य राजेश्वर, प्रमुख ज्योतिषी मुकेश भारद्वाज, पं. पवन शास्त्री, राज. गौड़ सनाढ्य ब्राह्मण महासभा के प. पुरुषोत्तम गौड़, राज. जन विकास समिति के हरेन्द्रपाल सिंह जादौन, रामगंज व्यापार मंडल के अध्यक्ष हुकुम चंद अग्रवाल, श्रीमाल समाज के अध्यक्ष गुलाबचंद श्रीमाल, नामदेव समाज के अध्यक्ष जितेन्द्र टांक, जयपुर स्टील एसोसिएशन के महासचिव सुनिल जैन, आकाशदीप ऑफ कालेज के चेयरमैन एल.सी. भारतीय, पार्षद मुकेश शर्मा, पार्षद कमल वाल्मीकि, महिला प्रकोष्ठ की संध्या शर्मा, सर्व ब्राह्मण के जयपुर देहात के अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा, अविकुल शर्मा, युवा संभाग अध्यक्ष दिनेश शर्मा, प्रमोद शर्मा, पंकज शर्मा सोडाला, दिनेश शर्मा, हर्ष शर्मा,विजय भास्कर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्योपत सिंह कायल, जिलाध्यक्ष टोंक शैलेन्द्र शर्मा, जिला अध्यक्ष दौसा ऋषभ शर्मा, अशोक खेडला, महिला प्रकोष्ठ संध्या पुरोहित, श्री राजपूत विकास परिषद, फ्यूजन ग्रुप, आई.आई.ई.एम.आर. इंस्टीट्यूट, घोडा निकास रोड व्यापार मंडल, पंजाबी महासभा, सिंधी पंचायत जयपुर, संस्कृति युवा संस्था, नागरिक मोर्चा, मुस्लिम वेलफेयर सोसायटी, अरिहंत संघ, जयपुर विकास परिषद, सूनागरिक समिति, पार्षदगण ने सुरेश मिश्रा का अभिनंदन किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिनेश शर्मा ने बताया कि सुरेश मिश्रा के जन्मदिन के अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर से अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया है। साथ ही मिश्रा को इस अवसर पर उनके लंबे संघर्ष के लिये धन्यवाद दिया गया। दिनेश शर्मा ने बताया कि बनीपार्क स्थित पंचवटी अपने निवास पर प्रातः 11:00 बजे से 1:00 बजे तक अभिनन्दन समारोह आयोजित किया गया। इसके अतिरिक्त विभिन्न मंदिरों में सुरेश मिश्रा ने मोती डूंगरी गणेश जी के मंदिर, गोविन्द देवजी मंदिर, इस्कॉन मंदिर, अक्षय पात्र में पूजा अर्चना, अपने गांव रेनवाल में भगवान सत्यनारायण की पूजा अर्चना की। इसके अलावा गौशाला में गौपूजन कर गुड व हरा चारा खिलाया और पुरे प्रदेश में रक्तदान, कम्बल वितरण, फल वितरण, पशु-पक्षियों की सेवा की, गरीबों को भोजन कराया और साथ ही पूरे प्रदेश में अलग-अलग जिलों में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 1000 यूनिट से ज्यादा रक्तदान एकत्रित किया गया।

सादर श्रद्धांजलि

हमारे प्रिय

श्री राजेन्द्र कुमार रांवका

के आकस्मिक स्वर्गवास होने पर

रो पड़ती है आँखे हमारी देखके तस्वीर आपकी,
जिंदगी ऐसी जी गए कि मौत भी शर्मा गयी।
ज़िंदगी थी छोटी लेकिन सबसे अच्छी जी गए,
हर जगह सुगंध फैलाकर स्मृति सबके दिल में रख गए।
प्रभु आपकी दिव्य आत्मा को शान्ति प्रदान करें।

श्रद्धावनत : दिगम्बर जैन सोशलग्रुप डायमंड परिवार, जयपुर
यशकमल, प्रमोद जैन, रमेश चन्द छाबड़ा, पारस कुमार, सुरेश गंगवाल, आनंद अजमेरा, मुकेश पहाडिया, अरविन्द काला, चन्दा सेठी, सुनील संगही, भारत भूषण अजमेरा, अतुल छाबड़ा, उत्तम, सुरेश, टीकम अजमेरा

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

|| श्री श्री श्री 1008 पार्श्वनाथाय नमः ||

||आनन्दोत्सव||

वात्सल्य रत्नाकर
परम पूज्य आचार्य 108 श्री विमल सागर जी मुनिराज
के अतिशय से अनुप्राणित

श्री क्षेत्र गुरु शरणं

का

भव्य भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह

पौष शुक्ल पूर्णमासी
गुरूवार, 25 जनवरी, 2024 • मध्याह्न 1.15 बजे

पूज्य उपाध्याय 108 श्री ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज
की पावन प्रेरणा से
विधानाचार्य पण्डित श्री मुकेश जी शास्त्री 'मधुर' एवं
वास्तुविद श्री राजकुमार जी कोठ्यारी के मार्गदर्शन में
'श्री समाज' की उपस्थिती में होने जा रहा है,
जिसमे आप सभी सपरिवार इष्ट मित्रो सहित सादर निमंत्रित है.

: स्थान :
जयपुर-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग,
ग्राम भण्डाना, जिला-दौसा (राजस्थान) 303303

निवेदक

वात्सल्य रत्नाकर
AVS FOUNDATION
FOR BETTER HEALTH & EDUCATION
ए वी एस फाउण्डेशन (रजि.)

ताराचंद जैन 'स्वीट कैटर्स'
अध्यक्ष
एवं समस्त न्यासीगण

विनीत : अखिल भारतीय दिगम्बर जैन समाज

मानस की जात सभै एकै पहिचानबो : गुरु गोबिंद सिंह

खालसा पंथ के सृजनहार, संत सिपाही और सरबंस दानी श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का जन्म पटना में पिता गुरु तेग बहादुर और माता गुजरी के गृह में 22दिसंबर 1666 को हुआ। गुरु गोबिंद सिंह जी के एक कौतुक को समझने के लिए उनके जन्म से 200वर्ष पूर्व चलना पड़ेगा - प्रथम गुरु, गुरुनानक देव जी को जब यज्ञोपवीत संस्कार के अंतर्गत जनेऊ धारण करने के लिए बुलाया गया तो उन्होंने यह कह कर धारण करने से मना कर दिया कि यह सर्फ ब्राह्मण, वैश्य और क्षत्रिय वर्ग के लिए आरक्षित है, यह भेदभाव उन्हे नही भाता। उन्होंने अपने कुल पुरोहित पंडित हरदयाल से कहा- ₹आपके पास ऐसा जनेऊ है जो दया की कपास से संतोष के सूत से तैयार हुआ हो। जिसमें संयम की गांठे हों और सत्य से गूंथा हुआ हो। जो न टूटे, न गंदा हो और न जले। आगामी जीवन में साथ जाने वाला हो। ऐसा जनेऊ है तो मुझे स्वीकार है अन्यथा ऐसे कर्मकांडो में मुझे कोई रुचि नहीं।₹ इस घटना के लगभग 200 वर्ष बाद इसी जनेऊ की रक्षा की फरियाद करते कश्मीर से पंडित कृपा राम गुरु तेग बहादुर साहिब के दरबार में हाजिर हुवे, कहने लगे - औरंगजेब रोज सवा मन जनेऊ जलाकर भोजन करता है। जबरन हिंदुओं को मुसलमान बना रहा है। आप रक्षा करें। गुरु तेग बहादुर बोले - ₹यह समस्या बहुत विकट है, बड़ा बलिदान मांगती है।₹ पास खड़े 9 वर्षीय पुत्र गोबिंद राय बोले आपसे बड़ा बलिदान और कौन दे सकता है? यह भी संयोग रहा कि जिस जनेऊ को धारण करने के लिए गुरुनानक देव जी ने माना कर दिया उसकी रक्षा के लिए 200 वर्ष बाद पुत्र ने अपने पिता गुरु को शहादत देने के लिए विनय किया। गुरु तेगबहदुर जी से पहले उनके तीन शिष्यों को शहीद किया फिर गुरु तेग बहादुर साहिब का सिर काट चांदनी चौक पर शहीद कर दिया। गुरुनानक देव जी द्वारा शहादत की सीख को गुरुगोबिंद सिंह जी भी धारण करते आए है। गुरुनानक देव जी ने कहा था -

जउ तउ प्रेम खेलण का चाउ।।
सिर धर तली गली मेरी आउ।।
इत मारगि पैर धरीजै।।
सिर दीजै काण न कीजै ।।

इसी धर्म की अखंडता के लिए आवाज उठाने वाले पांचवे गुरु, गुरु अर्जुन देव जी को मुगल अक्रांताओं ने गर्म तवे पर बिठा कर शहीद कर दिया। गुरु गोबिंद सिंह जी को एहसास था कि किसी भी व्यक्ति के लिए धर्म की स्वतंत्रता और सार्वभौमिकता सर्वोच्च महत्व रखती है। उसकी रक्षा अवश्य होनी चाहिए। सर्फ बलिदान देने भर से काम नहीं चलेगा। गुरु जी का मानना था अत्याचार करने से भी ज्यादा कसूरवार अत्याचार सहने वाला होता है। इस लिए इसके खिलाफ शमशीर उठानी पड़ेगी। लोगों में बहदुरी का जज्बा पैदा करना होगा। उन्हे योद्धा बनाना होगा। ऐसा संगठन बनाना होगा जिसकी पहचान एक रक्षक के रूप में हो। जो संयम, त्याग और सेवा का मुजस्मा बने,

उसमें अहंकार न आए -
चिड़ियों से मैं बाज तुड़ाऊं।
गिदड़ों से मैं शेर बनाऊं।।
सवा लाख से एक लड़ाऊं।
तबै गोबिंद सिंघ नाम कहाऊं

इसी विचार को लेकर आनंदपुर साहिब में वैसाखी वाले दिन 1699 को एक विशाल सभा का आयोजन किया। गुरु गोबिंद सिंह जी ने हाथ ने नंगी तलवार लेकर शेर की तरह दहाड़ कर कहा- है कोई सिख जो गुरु को अपना सीस भेंट करे? लाहौर से आए खत्री कुल के दयाराम खड़े हुए कहा - ''मै अपना सीस गुरु को अर्पित करने को तैयार हूं।'' गुरु जी उसे पंडाल के पीछे ले गए और थोड़ी देर बाद खून से भीगी तलवार लेकर मंच पर हाजिर होकर गए। कहने लगे-''एक और सीस चाहिए।'' लोगों में खलबली मच गई, यह क्या हुआ गुरु जी ने सीस काट दिया। विरोध शुरू हो गया। इसी बीच दिल्ली का जाट धर्म दास खड़ा हो गया। उसे भी गुरु जी अंदर पंडाल में ले गए। और वापस खून से रिस्ती तलवार लेकर एक और सिर की मांग करने लगे। द्वारका का धोबी हुकम चंद खड़ा हुआ। उसके बाद बिदर के नाई जाति के साहिब चंद खड़े हुवे और अंत में जगन्नाथ के कहार जाति के हिम्मत सिंह को भी अंदर ले गए। थोड़ी देर बाद सभी नीले वस्त्र धारण किए मंच पर उपस्थित हो गए। गुरु की आन, बान और शान को समर्पित इन सिखों ने अपनी जिंदगी गुरु के चरणों में रख अनोखी परिक्षा पास की। गुरु जी ने उन्हे ''पंज प्यारे'' कहकर संबोधित किया। उन्हें खालसा पंथ में सर्वोच्च स्थान दिया और उन्हें कौम का एंबेसडर बनाया। गुरु जी ने खालसा पंथ की सर्जना जमीन, घोड़े, सोना आदि का लालच देकर नहीं बल्कि पांच प्यारों के सीस पर मजबूत नींव रखी। उन्हे धर्मदास से धर्मसिंह, दयाराम से दयासिंह... इसी तरह पांचों को ''सिंह'' सजाकर खालसा बना दिया यानि खालिस और शुद्ध। उसके बाद गुरु साहिब जो खुद गोबिंद राय थे उन्होंने पांच प्यारों से अमृतपान कर ''सिंह'' सज गए!

-ओंकार सिंह

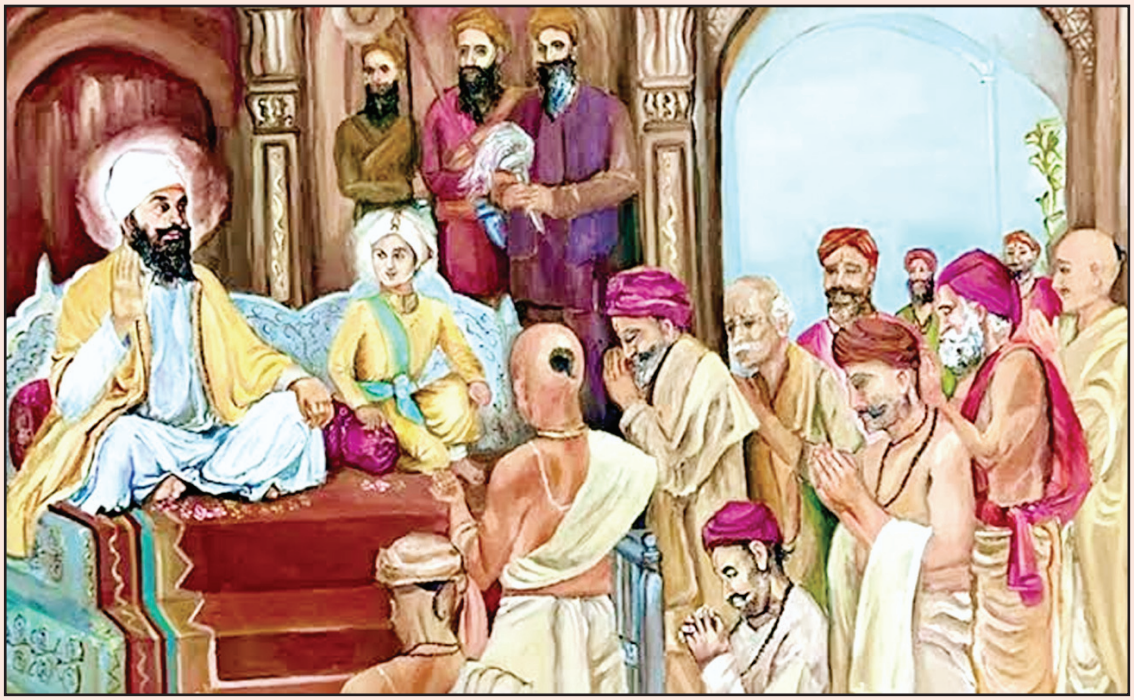

कश्मीरी पंडितों का एक डेलिगेशन गुरु तेग बहादुर जी के पास जनेऊ की रक्षा हेतु फरियाद करने आया।

गुरु गोबिंद सिंह जी एक "सीस" की मांग करते हुए।